

इस्लाम प्रश्न और उत्तर

जनरल पर्यवेक्षक : शैख मुहम्मद सालेह
अल-मुनज्जिद

45638 - छोटे बच्चे को शीया का अर्थ कैसे बतलाया जाए ?

प्रश्न

मेरा एक भांजा है जिसकी आयु आठ साल है, वह एक बार अचानक मुझसे यह प्रश्न कर बैठा कि शीया लोग कौन हैं ? मेरी समझ में नहीं आया कि उसे क्या जवाब दूँ, परंतु मैं ने उससे यह कहा कि बड़े होने के बाद तुम्हें पता चल जायेगा ! लेकिन वह इस जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ, और जब मेरे भांजे ने जिसकी आयु दस साल है उससे कहा कि हम लोग सुन्नी हैं, तो उसने उसके जवाब में कहा कि मैं शीया हूँ। तो इसका क्या जवाब है जो उसकी आयु के हिसाब से उचित हो और वह उससे सन्तुष्ट भी हो जाए ?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह के लिए योग्य है।

जब बच्चा शीया के बारे में सवाल करे तो उससे कहा जायेगा कि ये लोग अच्छे नहीं हैं, ये पाप और अवहेलनायें करते हैं, तथा ये लोग नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम और आपकी पवित्र पत्नियों को, जो पैगंबरों के बाद लोगों में सबसे श्रेष्ठ हैं, बुरा भला कहते और गाली देते हैं, और इसी कारण हम उन्हें पसंद नहीं करते हैं। यदि मान लिया जाये कि उसने उन्हें टीवी पर कब्रों पर हाथ फेरते या आशूरा का उत्सव मनाते देखा है तो उससे कहा जायेगा : ये लोग जो यह सब करते हैं जायज़ नहीं है, और हम केवल अल्लाह की इबादत करते हैं, हम किसी कब्र को या उसके अलावा किसी सृष्टि को सज्दा नहीं करते हैं, और हम अपने आपको और अपने बेटों को नहीं मारते हैं। इस तरह बच्चा समझ जायेगा कि ये लोग अच्छे नहीं हैं, बल्कि गलत और पथभ्रष्ट लोग हैं, तथा बच्चे की समझबूझ और ध्यान के अनुसार उसे जानकारी दी जायेगी।

और जो कुछ घटित हो चुका है उसके सुधार के लिए, उससे कहा जायेगा : हम सुन्नी लोग हैं, अर्थात् हम नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की सुन्नत का अनुसरण करते हैं, और अपने धर्म में नयी नयी बातें नहीं गढ़ते हैं, और उस तरह नहीं करते हैं जैसाकि ये लोग करते हैं, और यदि संभव है कि बच्चा शीया लोगों की कुछ अवहेलनायें देख सके ताकि उनके प्रति सावधानी को स्पष्ट चित्र के साथ प्रकट किया जाए, तो अच्छा होगा। इस तरह की चीज़ें आप शीया लोगों से सावधान करने और उनकी पथभ्रष्टता को स्पष्ट करने वाली भरोसेमंद वेबसाइटों पर पा सकते हैं।

इस्लाम प्रश्न और उत्तर

जनरल पर्यवेक्षक : शैख मुहम्मद सालेह
अल-मुनज्जिद

और अल्लाह तआला ही सबसे अधिक ज्ञान रखता है।